

प्रेषक,

अमित सिंह नेगी,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

अधिशाली निदेशक,
आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबन्धन केन्द्र,
सचिवालय परिसर, देहरादून।

आपदा प्रबन्धन अनुभाग-01

देहरादून: दिनांक 21 जून, 2016

विषय:- जौलीग्रांट देहरादून में प्रस्तावित एस.डी.आर.एफ. परिसर के निर्माण हेतु धनराशि आवंटन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक कार्यक्रम निदेशक, पी.एम.यू./यू.डी.आर.पी. के पत्र संख्या-427/PMU/UDRP/2016/18/USIDCL, दिनांक 08.03.2016 के द्वारा कार्यदायी संस्था पी.आई.यू. (पब्लिक बिल्डिंग) यू.डी.आर.पी. (यू.एस.आई.डी.सी.एल.) द्वारा प्रस्तावित एस.डी.आर.एफ. परिसर के निर्माण हेतु परियोजना की डी.पी.आर. गठन हेतु प्रक्रियात्मक कार्यों का आगणन धनराशि ₹ 253.18 लाख तैयार कर प्रथम चरण के कार्य हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया है। उपरोक्तानुसार वर्तमान में परियोजना का प्रक्रियात्मक कार्य पूर्ण कराये जाने हेतु आगणन की कुल धनराशि ₹ 253.18 लाख पर वित्तीय स्वीकृति प्रदान किये जाने का अनुरोध किया गया है।

2- उपरोक्त के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जौलीग्रांट परिसर में एस.डी.आर.एफ. परिसर के निर्माण हेतु गठित आगणन की आंकलित धनराशि ₹ 253.18 लाख के सापेक्ष टी0ए0सी0 द्वारा औचित्यपूर्ण पायी गई ₹ 176.70 लाख (₹ एक करोड़ छिहत्तर लाख सत्तर हजार मात्र) की धनराशि प्रथम चरण के कार्य हेतु कार्यक्रम निदेशक, पी.एम.यू., यू.डी.आर.पी. को हस्तान्तरित किये जाने एवं व्यय किये जाने की निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर अवमुक्त किये जाने की श्री राज्यापाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1) कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- 2) कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाय, जितनी मदवार धनराशि स्वीकृत की गई है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 3) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित किया जाय।
- 4) कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता (कार्य की आवश्यकतानुसार) से कार्य स्थल का भलीभांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाय तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाय।
- 5) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006), दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन किया जायेगा।
- 6) यदि विभिन्न मदों हेतु स्वीकृत धनराशि अवशेष रहती है तो उक्त धनराशि द्वितीय चरण के आगणन में समायोजित की जाय।
- 7) कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

8) प्रथम चरण के कार्य हेतु यदि किसी अन्य समरूप कार्य हेतु पूर्व में करायी गई डिजाइन/मानक, पूर्ण रूप से अथवा आंशिक रूप से विषयगत कार्य हेतु प्रयोग की जा सकती है या वर्तमान कार्य में एक भाग की डिजाइन/मानक, पूर्ण रूप से अथवा आंशिक रूप से विषयगत कार्य हेतु प्रयोग की जा सकती है, तो मितव्यता की दृष्टि को ध्यान में रखते हुए तदनुसार कार्यवाही की जाय।

9) द्वितीय चरण के विस्तृत आगणन को प्रेषित करते समय यह प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से संलग्न किया जाय कि "प्रथम चरण के प्रस्तावित कार्य पूर्ण हो चुके हैं"।

3- उक्त पर होने वाला व्यय प्रथमतः लेखाशीर्षक-8000-आकस्मिकता निधि-राज्य आकस्मिकता निधि-लेखा-201-समेकित निधि के विनियोजन के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2016-17 के लेखानुदान (दिनांक 1 अप्रैल से 31 जुलाई, 2016 तक) के अनुदान संख्या-06 के अंतर्गत लेखाशीर्षक-2245-प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहत-80-सामान्य-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-03-आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण-42-अन्य व्यय के नामें डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अ0शा0पत्र संख्या-30 P/वित्त अनु0-5/2016, दिनांक 20 जून, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अमित सिंह नेगी)
सचिव

रा0आ0निधि संख्या- 134 /XXVII(1)/2016, दिनांक 14 जून 2016

प्रतिलिपि महालेखाकार, उत्तराखण्ड (लेखा एवं हकदारी) ओबैराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून को एक अतिरिक्त प्रति सहित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

आज्ञा से,

(श्रीधर बाबू अददाकी)
अपर सचिव, वित्त

संख्या- 1491 (1)/XVIII-(2)/2016-4(16)/2016, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड (लेखा एवं हकदारी) ओबैराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- कार्यक्रम निदेशक, पी.एम.यू., यू.डी.आर.पी., उत्तराखण्ड।
- 5- वित्त अनुभाग-01/05, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- वरिष्ठ कोषाधिकारी, साईबर ट्रेजरी, देहरादून।
- 7- निदेशक, कोषागार, 23, लक्ष्मी रोड, डालनवाला, देहरादून।
- 8- निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 9- गार्ड फाइल।

gky8
8-6-2016

आज्ञा से,

(संतोष बड़ोनी)
उप सचिव